



भगत सहि

//



भगत सिंह

शहीद-ए-आज़म (महान शहीद) के नाम से भी जाना जाता है



परिचय

- जन्म: 28 सितम्बर 1907, बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान में)
- जलियाँवाला बाग हत्याकांड (वर्ष 1919): इस नरसंहार के समय ये 12 वर्ष के थे; इससे उनके मन में देशभक्ति प्रज्वलित हुई
- संगठन
 - वर्ष 1924 - हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) में शामिल हुए
 - वर्ष 1928 में इसका नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) कर दिया गया।
 - वर्ष 1926 - युवाओं को संगठित करने के लिये नौजवान भारत सभा की स्थापना।
- प्रमुख साहित्यिक योगदान:
 - "मैं नास्तिक क्यों हूँ (Why I am An Atheist)"
 - "जेल नोटबुक और अन्य लेखन (Jail Notebook and Other Writings)"

प्रमुख कार्यवाहियाँ

- वर्ष 1928 - लाला लाजपत राय की हत्या का बदला लेने के लिये जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र मामले)
- वर्ष 1929 - केंद्रीय विधानसभा पर बम से हमला (बी.के. दत्त के साथ)

गिरफ्तारी और ट्रायल

- वर्ष 1929 में असेंबली बम विस्फोट में गिरफ्तार
- मृत्युदंड की सजा (लाहौर षडयंत्र मामले)
- सुखदेव और राजगुरु के साथ फाँसी (23 मार्च 1931)

23 मार्च - शहीद दिवस

भगत सिंह की विचारधाराओं की प्रासंगिकता

आदर्श	विवरण
विश्व बंधुत्व	शांति, समानता और वैश्विक एकता का समर्थन
सांप्रदायिक सौहार्द्र	धार्मिक संघर्षों और विभाजनों का कड़ा विरोध
युवा राजनीतिज्ञ	छात्रों को राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया
हाशिये पर पड़े लोगों का सशक्तीकरण	जातिगत पदानुक्रम को समाप्त करने का समर्थन किया
क्रांतिकारी भावना	उत्पीड़न को चुनौती देना - आधुनिक आंदोलनों के लिये प्रेरणा



और पढ़ें: [भगत सहि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bhagat-singh-4>

